भारत सरकार

परमाणु ऊर्जा विभाग

25.02.2016 को राज्य सभा में

पूछा जाने वाला अतारांकित प्रश्न संख्या : 162

रूस से नाभिकीय रिएक्टर

162. श्री सी.एम. रमेश:

क्या प्रधान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) देश में रूस द्वारा निर्मित प्रत्येक नाभिकीय रिएक्टर का स्थल-वार ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या रूस ने देश में नाभिकीय रिएक्टर्स के निर्माण में भारत को शामिल करने का प्रस्ताव किया है; और

(ग) यदि हाँ, तो इससे किस हद तक परमाणु ऊर्जा क्षेत्र के विकास और हमारे स्वयं के रिएक्टर्स निर्माण में आत्मनिर्भर होने में सहायता मिलेगी?

उत्तर

राज्य मंत्री, कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन तथा प्रधान मंत्री कार्यालय (डॉ. जितेन्द्र सिंह):

(क) रूसी परिसंघ के तकनीकी सहयोग से जो रिएक्टर पहले ही स्थापित किए गए हैं/ स्थापित किए जा रहे हैं अथवा जिन्हें स्थापित किए जाने की योजना है, वे निम्नानुसार सारणीबद्ध है:

अवस्थिति	परियोजना	क्षमता (मेगावाट)	वर्तमान स्थिति
कुडनकुलम , तमिलनाडु	कुडनकुलम नाभिकीय विद्युत परियोजना (केकेएनपीपी - 1 तथा 2)	2x1000	केकेएनपीपी-1 प्रचालनरत है। केकेएनपीपी-2 कमीशनाधीन है।
	कुडनकुलम नाभिकीय विद्युत परियोजना (केकेएनपीपी - 3 तथा 4)	2x1000	परियोजना को प्रशासनिक तथा वित्तीय संस्वीकृति प्रदान कर दी गई है; एवं इसे प्रारंभ करने के लिए तैयार किया जा रहा है।
	कुडनकुलम नाभिकीय विद्युत परियोजना (केकेएनपीपी -5 तथा 6)	2x1000	परियोजना-पूर्व कार्य किए जा रहे हैं।
हरिपुर , पश्चिम बंगाल	स्थल 6x1000* मेगावाट के लिए अनुमोदित है।		

*नाममात्र क्षमता

(ख) रिएक्टरों का निर्माण पहले ही दोनों देशों के बीच कार्य के साझा क्षेत्र सहित रूसी परिसंघ के तकनीकी सहयोग से किया जा रहा है।

(ग) भारत के पास पहले से ही अपना वाणिज्यिक रूप से विकसित स्वदेशी स्वतंत्र नाभिकीय विद्युत कार्यक्रम है। तथापि, विदेशी तकनीकी सहयोग से नाभिकीय विद्युत रिएक्टरों का निर्माण करने से क्षमता में अपेक्षाकृत अधिक तीव्रता से वृद्धि हो सकेगी।

******